भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2262
गुरुवार 12 फ़रवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कैट प्रकाश व्यवस्था

2262. श्री अभय कुमार सिन्हाः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बिहार के गया अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन पर कैट एप्रोच लाइटिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए लगभग 18 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है, यदि हां, तो इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि गया विमानपत्तन पर रनवे के विस्तार के लिए अपेक्षित 100 एकड़ से अधिक भूमि का अधिग्रहण कई वर्षों से लंबित है और न्यायालयों में कुछ मामलों के लंबित होने के कारण रनवे की लंबाई 2,286 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर बनी हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि मौजूदा रनवे के आकार के कारण बड़े आकार वाले विमानों और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों का प्रचालन संभव नहीं है, यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने गया विमानपत्तन पर रनवे को कम से कम 500 मीटर तक बढ़ाने, इसे चौड़ा करने और एप्रन और अतिरिक्त टैक्सीवे बनाने के लिए किसी समयवद्ध परियोजना को स्वीकृत/प्रस्तावित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने गया हवाईअड्डे पर कैट-I अप्रोच लाइटिंग प्रणाली की स्थापना के लिए बिहार राज्य सरकार से 17.62 एकड़ भूमि का अनुरोध किया है। राज्य सरकार द्वारा अभी तक एएआई को भूमि नहीं सौंपी गई है।

(ख) : गया हवाई अड्डे पर रनवे के विस्तार के लिए, एएआई ने बिहार राज्य सरकार से 64.11 एकड़ भूमि का अनुरोध किया है। अभी तक आवश्यक भूमि नहीं सौंपी गई है।

(ग) : गया हवाईअड्डे को एयरबस ए321 के साथ सार्वजनिक उपयोग और सभी मौसम में प्रचालन के लिए एयरोड्रोम श्रेणी '4सी' के तहत लाइसेंस दिया गया है। 2286 मीटर x 45 मीटर के मौजूदा रनवे आयामों के साथ वाइड-बॉडी विमान का परिचालन संभव नहीं है। हालाँकि, वर्तमान में हवाईअड्डे पर भूटान, म्यांमार और थाईलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानें परिचालित हैं।

(घ) : रनवे का विस्तार राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित भूमि सौंपने पर निर्भर है। हवाईअड्डे पर, वर्ष 2022 में ए321 प्रकार के विमानों के लिए दो अतिरिक्त बे के निर्माण के माध्यम से एप्रन का विस्तार किया गया था, जिससे बे की कुल संख्या बढ़कर पांच हो गई। उसी वर्ष एक नया लिंक टैक्सीवे भी बनाया गया।

******